संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़, रायपुर

एवं

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर
कृषि मौसम सलाह सेवाएँ

(Project sponsored by IMD,MoES,New Delhi)

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

0771-2442557

Patron:Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. R.K. Bajpai* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

Advisory Committee: Agrometeorology- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, **Horticulture**-Dr. G.L Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. Dhananjay Sharma, **Agronomy** - Dr. H.L. Sonboir, **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.S.V. Jogdand ,**SWE**-Er.V.M. Victor

वर्ष: 28, क्रमांक:13 **दिनांक 12.02.2019**

विगत सप्ताह का मौसम:- लभांडी स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ो के अनुसार विगत पाँच दिनो के दौरान सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि 0.3 से 10.0 घंटे के बीच दर्ज की गई। इस दौरान औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.6 डि.से. (सामान्य से कम) तथा 12.1 डि.से. (सामान्य से कम) दर्ज किया गया है। इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः 1.5 कि.मी. प्रति घंटा व 3.1 मि.मी. प्रति दिन था। प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान क्रमशः 80% व 15.6 डि.से. दर्ज की गई जबकि दोपहर में यह क्रमशः 37% व 36.0 डि.से. दर्ज की गई।

मौसमपूर्वानुमान:- भारत मौसम विभाग रायपुर द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार छत्तीसगढ़ के अधिकांश स्थानों में बादल छाए रहने के साथ ही साथ 15, 16 और 17-फरवरी, 2019 को हल्की बौछारे पड़ने की संभावना है । इस दौरान हवा में 60-90 प्रतिशत नमी होने की संभावना है। मैदानी क्षेत्रों मे अधिकतम तापमान लगभग 26 से 32°C एवं न्यूनतम तापमान 12 से 18°C के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम दिशाओं से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग 4-9 किलो मीटर/घंटा रहने कि संभावना है।

क्षेत्राच्छादन:-संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़ रायपुर से प्राप्त साप्ताहिक प्रतिवेदन रबी 2019 दिनांक 04/02/2019 के अनुसार प्रदेश में रबी फसलों की लगभग 83% बोवाई का कार्य हो चुका है। जिसका फसलवार विवरण निम्नानुसार है।

अनाज	क्षेत्रफल (000 हे.)	दलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	तिलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	अन्य	क्षेत्रफल (000 हे.)
गेहूं	167.01	चना	371.10	अलसी	42.65	गन्ना	25.91
धान	94.77	मटर	46.38	राई सरसों/तोरिया	145.12	साग-सब्जी एवं अन्य	183.87
मक्का	72.15	मसूर	25.86	तिल	1.84		
ज्वार	5.04	मूंग	22.06	सूरजमुखी	5.41		
		उड़द	13.24	कुसुम	3.27		
		तिवड़ा	256.62	मूँगफली	16.74		
		कुल्थी	16.39	अन्य तिलहन	2.02		
		अन्य दलहन					
योग अनाज	338.97 (97%)	योग दलहन	753.08 (82%)	योग तिलहनी	1335.01 (83%)	महायोग	1518.88 (83%)

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य फसलें

1. **बीते सप्ताह के दौरान हल्के से मध्यम बादल छाए रहने के कारण चने की फसल में इल्ली का प्रकोप बढ़ सकता है। अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती हैं कि इसकी निगरानी करते रहे तथा चने में इल्ली के प्रारम्भिक नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन जैसे फीरोमोन प्रपंच, प्रकाश प्रपंच या खेतों में पक्षियों के बैठने हेतु T आकार की खूटी लगाना लाभकारी होता है।**
2. **गेंहू की फसल बालियां निकलने की अवस्था में है अत: जो किसान भाई बीज उत्पादन करना चाहते है वे विजातीय पौधों को निकालकर खेत से अलग करें।**
3. **देर से बोई गई गेहूँ की फसल जहां उम्र 40-50 दिन की हो वहां यूरिया की दूसरी मात्रा डालें।**
4. **सरसों में फूल एवं फल आने की स्थिति में है इस अवस्था में सामान्यता मैनी का प्रकोप देखा गया है। किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि वे फसलों का निरीक्षण करें।**

सब्जियों/ फल

1. **कददुवर्गीय सब्जियों जैसे -लौकी, करेला इत्यादि के अलावा बरबटी, भिंडी एवं अन्य ग्रीष्मकालीन सब्जियों के अच्छे अंकुरण के लिए तापमान अनुकूल है। अतः इन फसलों की बुवाई के लिए अच्छी तरह भुरभुरी खेत तैयार कर इन फसलों की बुवाई करे।**
2. **ग्रीष्म ऋतु में केले की फसल को लू से बचाने के लिए अभी से खेत के चारो तरफ एम. पी. चरी, ज्वार या सनई की फसल लगाने की सलाह दी जाती है। जिससे लू चलने के समय तक इनकी बढ़वार केले के पौधो के बराबर या ऊची हो जावे।**
3. **ग्रीष्मकालीन मौसमी पुष्पों के पौधो की रोपाई करें।**
4. **आम में बौर आना प्रारम्भ हो रहा है अत: 50 प्रतिशत बौर आने पर आम में 15 दिन के अंतराल में सिंचाई करे, लगातार पानी देने से बौर पत्तियों में परिवर्तित हो जाता हैं।**

पशुपालन

1. **पशु बाड़े के आसपास मच्छर न पनपने दें।**
2. **अधिक उत्पादन के लिए पशुओं को हरा चारा 25 से 30 किलो प्रति दिन खिलायें। हरे चारे एवं सूखे चारे का अनुपात 3:1 रखें।**
3. **गाभिन गायों को गर्भावस्था के अंतिम 3 महीनो में 10 से 15 किलो हरा चारा, 30-50 ग्राम खनिज मिश्रण एवं 30 ग्राम साधारण नमक खिलायें।**

आर. के .चंद्रवंशी
सयुंक्त संचालक कृषि,
संचालनालय कृषि
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर(छ.ग)

जे.एल.चौधरी
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

डॉ.जी.के.दास
विभागाध्यक्ष
कृषि मौसम विज्ञान विभाग,
इ.गा.कृ.वि.वि रायपुर(छ.ग)